साहित्य संगम

अपील

जो कहना नही मानेगा
फिर पीछे पछतायेगा,
मास्क नही लगाने वाला
ना कोविड से बच पायेगा,

—

हाथ धोना घर मे रहना
जो ये बात समझ जायेगा,
कोरोना उस इंसान को
जकड़ कभी ना पायेगा,

—

जीवन की इस बगिया को
फूलों से सुगन्धित रखना है,
बचाने के लिए साँसों को
खुशबू से हमको भरना है,

—

इतिहास कहता जिस ने भी
कहना जब जब माना है,
उस मानव के जीवन मे कभी
ना दर्द कोई रह पाया है,

—

घर मे रहो आराम करो
बचने का यही तरीका है,
हाथों को धोकर साथ रहो
जीने का यही सलीका है,

—

वैक्सीन ओषधि राम बाण
इसका कोई नही शानी,
वो इंसान दुखी हो गया
जिसने ये बात नही मानी,

—

मानव को जीवन काल मे
दूरी रखकर अब
जीना है,
प्रकृति के इस
प्रतिशोध से
हाथों को धोकर
लड़ना है,